तत् त्वं पूषन् अपावृणु

के. वि. सी. सु. ब. बांदीपुर

द्वि-भाषीय ई-पत्रिका



उमंग



Unveiling the Latest
In the World of Creativity
Unveiling Creativity
Across the Vidyalaya
Drawing & Art
Sports & Science

Drawn by
Malik Ateeb,
Class 12th

फरवरी 2026

Drawn by
Jayanti,
Class 9th

हमारे प्रेरणा स्त्रोत



श्री धर्मेन्द्र प्रधान

मा. शिक्षा मंत्री, भारत सरकार



श्री विकास गुप्ता

मा. आयुक्त, के.वि. संगठन



श्री हर्षित मिश्रा

मा. उपायुक्त, जम्मू संभाग



श्री हरी सिंह

मा. सहायक आयुक्त, जम्मू संभाग

प्राचार्य का संदेश



विद्यालय की वार्षिक ई-पत्रिका के नवीन संस्करण को प्रकाशित होते हुए देख कर अत्यंत हर्ष हो रहा हैं। इस पत्रिका में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं के विचार तथा विद्यालय में नियमित रूप से आयोजित होने वाली गतिविधियों की कुछ महत्वपूर्ण झलकें हैं।

केंद्रीय विद्यालय संगठन का लक्ष्य छात्र-छात्राओं में भारतीयता की भावनाओं को भरना तथा उन्हें उत्कृष्ट नागरिकों के रूप में तैयार करना है। संगठन के अभिन्न अंश के रूप में हमारा विद्यालय उसी लक्ष्य की ओर अग्रसर है।

विद्यालय की ई-पत्रिका हमारे उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए किए गए प्रयासों की प्रतिच्छाया है। आशा है कि पाठकगण इसे सराहेंगे।

श्री संजय कुमार
प्र. प्राचार्य
के.वि. सी.सु. बल बांदीपुर

संपादकीय

समंदर में तरंग न हो , तो वह निर्जीव सा प्रतीत होगा और यदि मन में उमंग न हो तो जीवन भार स्वरूप हो जाएगा।

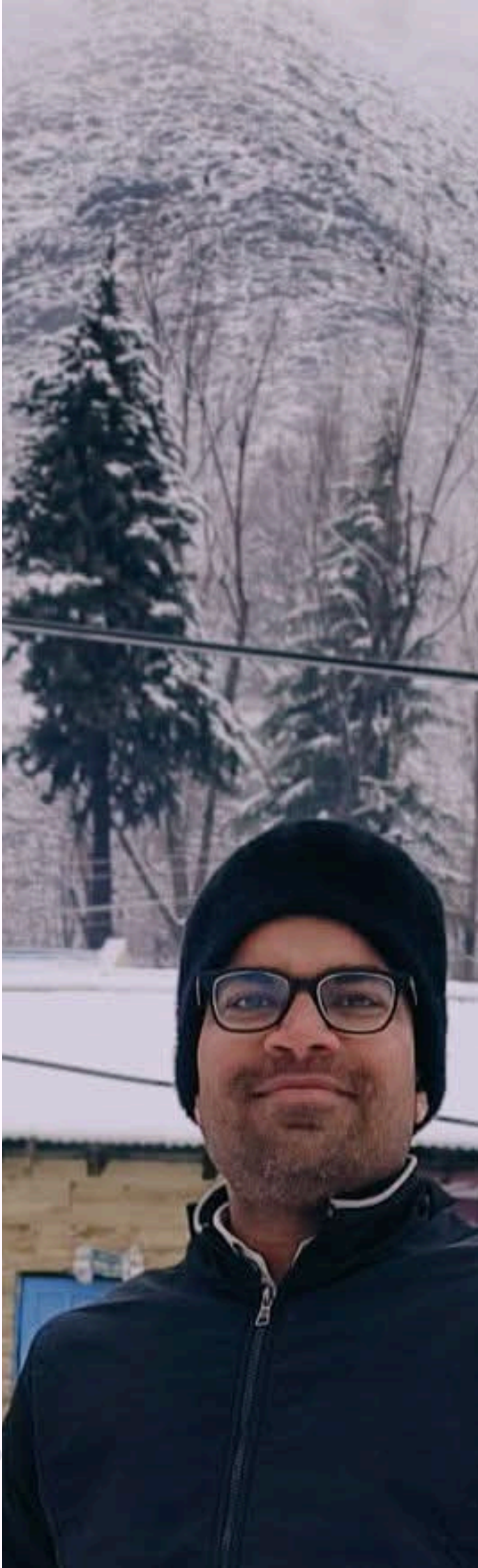
विद्यालय पत्रिका **'उमंग'** एक सकारात्मक प्रयास है : मन की हलचल को कागज़ पर उतारने का, हृदय के भावों को शब्द या चित्र रूप देने का और अपनी आशाओं के लिए एक खिड़की खोलने का जहां से विराट गगन के ओर छोर को मापने की प्रेरणा मिल सकती है ।

इसे प्रकाशित करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है ।

इस पत्रिका को प्रकाशित करने में सहयोग करने वाले सभी शिक्षकों , छात्र/छात्राओं का आभार और हृदयतल की गहराईयों से धन्यवाद !

आशा है कि पाठकगण इसे सराहेंगे और अपनी अनमोल राय देकर आगे आने वाले संस्करणों को और बेहतर बनाने में अपना सहयोग करेंगें ।

- **आलोक कुमार**
  स्नातकोत्तर शिक्षक (अंग्रेजी)



The Office: Bridging Parents, Students and the Vidyalaya

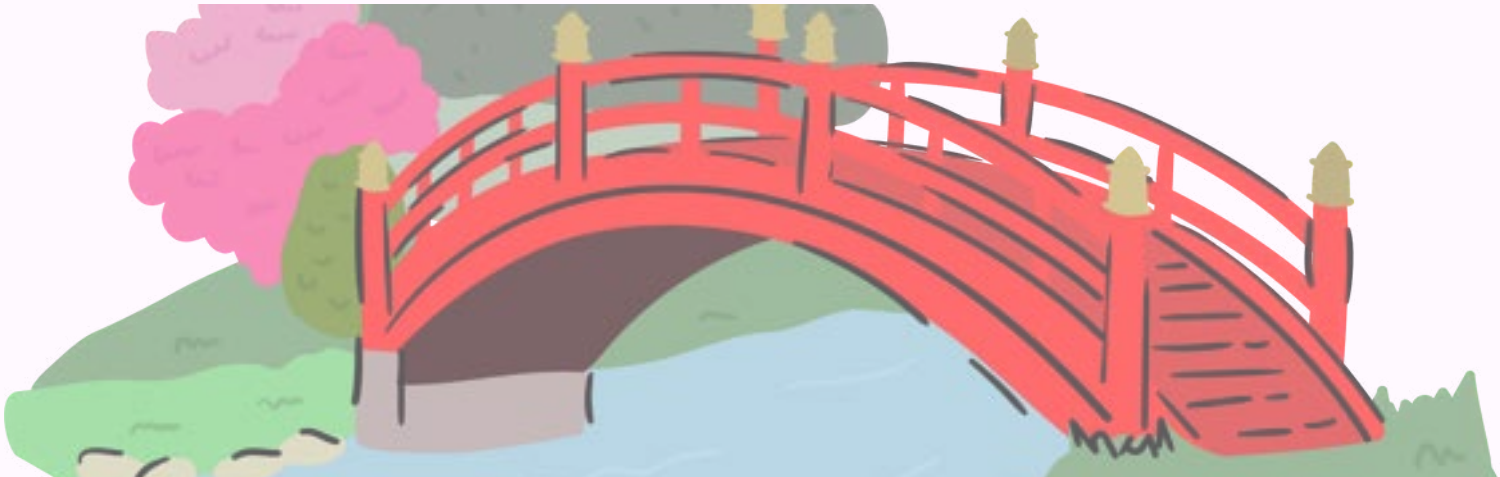
- Amit Ruhil
  JSA



In the dynamic environment of our Kendriya Vidyalaya, the office is a vital link connecting parents, students, and the wider school community.

My role extends beyond administrative tasks; it's about ensuring a supportive and efficient ecosystem. From facilitating smooth communication during parent-teacher meetings and admissions to providing necessary administrative support to students, every function is aimed at enhancing the overall Vidyalaya experience.

"कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" (Your focus must be on your action, never on the results) – this quote from the Mahabharata inspires commitment to our duties, ensuring that every interaction and process is handled with integrity and dedication for the benefit of all.





सुर संगीत का

– श्री पवन (संगीत शिक्षक)

अगर मैं बन जाऊं सुर संगीत का
हर दिशा में गाया जाऊंगा ,
सुना जाऊंगा हर आंगन में
सबके मन को हर्षाउंगा ,
झील में नदियां सभी में बसूँगा
झरनों के संग गुनगुनाया जाऊंगा
फिर बंधन ना होगा सीमाओं का
हर देश में मैं गाया जाऊंगा
'क्या धर्म जात नस्लों का झंझट
सबसे खुद को मुक्त पाऊंगा ?'

"Music is the strangest form of magic".



अगर किताबें बोलतीं...!

- श्री परवीन सांगवान

(लाइब्रेरियन, के.वि. बीएसएफ बांदीपुर)

सोचिए अगर लाइब्रेरी की किताबें बोलने लगें तो क्या हो?
एक दिन की बात है — मैं जैसे ही लाइब्रेरी में घुसा, तो एक पुरानी किताब ने कहा,
“साहब, हमें भी तो कभी पढ़ लो... पाँच साल से कोई हमारी तरफ देख भी नहीं रहा !”
दूसरी किताब बोली, “और हमें देखिए, बच्चे बस टाइटल पढ़कर रख देते हैं... ‘मोटे अक्षर में नाम नहीं लिखा तो हम आउट ऑफ सिलेबस हो गए?’
फिर विज्ञान की एक किताब चिल्लाई, “इतना ज्ञान है हमारे पास, पर बच्चे सिर्फ गूगल बाबा से पूछते हैं!”
इतना सुनते ही मैं मुस्कुरा दिया और सब किताबों से वादा किया —

“मैं बच्चों को फिर से तुम्हारा महत्व बताऊंगा।“
किताबें न बोलती हैं, पर बहुत कुछ कहती हैं — बस उन्हें पढ़ने वाला चाहिए।
अगर आपने आज कोई किताब नहीं पढ़ी, तो यकीन मानिए, आपने एक दोस्त खो दिया !
पढ़िए, मुस्कुराइए और सोचिए... किताबें भी भावनाओं से भरी होती हैं ।



Computer Science

(Aafreena Jan ,PGT C Sc)

Choosing Computer Science as a subject is not just a decision—it's an investment in the future. For the brilliant minds of Kendriya Vidyalaya BSF BANDIPUR, this is a gateway to innovation, creativity, and limitless possibilities. In today's digital era, technology is the backbone of every industry—from healthcare and space exploration to entertainment and education. By studying Computer Science, you're not only learning how to code—you're learning how to solve real-world problems, build smart solutions, and become a creator of the future. KVS students have always stood for excellence

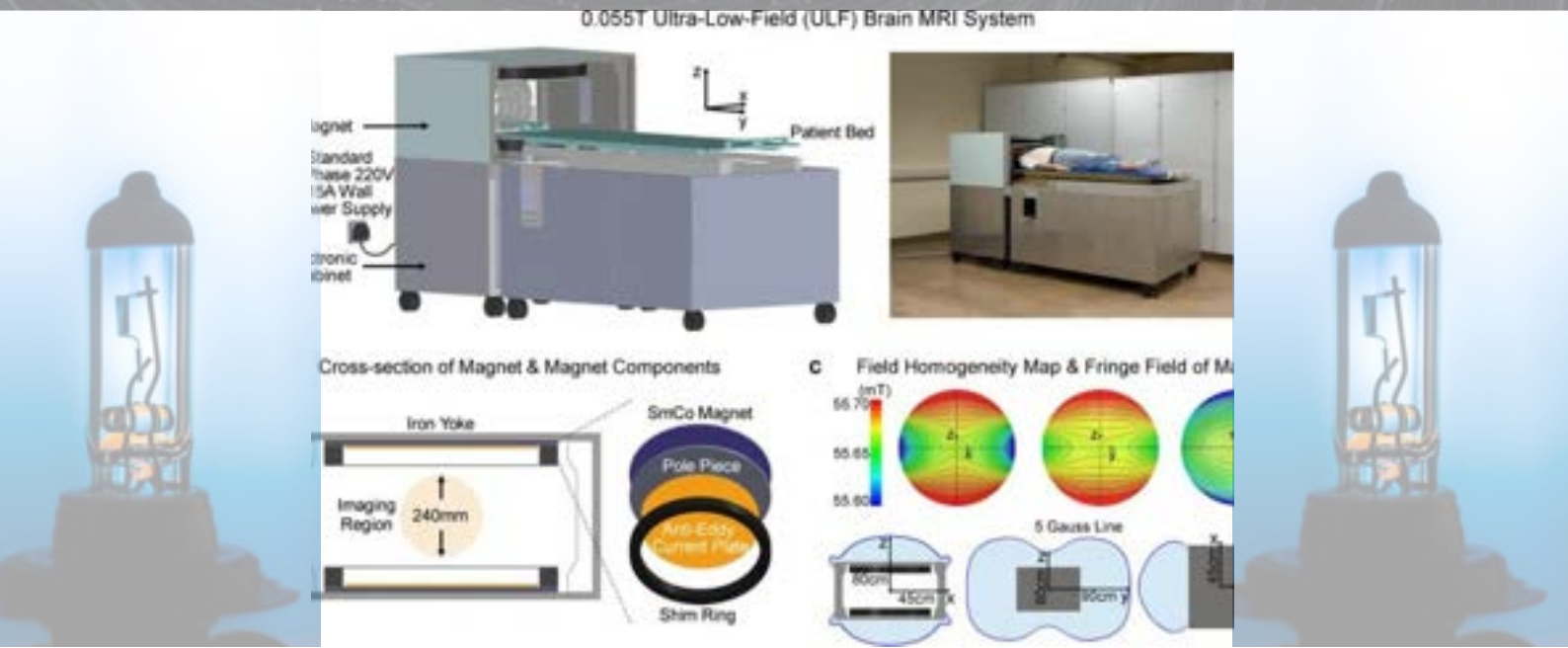
And adaptability—embracing Computer Science will empower you to lead India into the next generation of technological advancement. Start now, and become the architect of tomorrow's world.

Ultra-low-field Brain MRI Scanner

- Mr. Sanjay Kumar , PGT Physics)



Magnetic resonance imaging is a key diagnostic tool in modern healthcare, yet it can be cost-prohibitive given the high installation, maintenance and operation costs of the machinery. There are approximately seven scanners per million inhabitants and over 90% are concentrated in high-income countries. We describe an ultra-low-field brain MRI scanner that operates using a standard AC power outlet and is low cost to build. Using a permanent 0.055 Tesla Samarium-cobalt magnet and deep learning for cancellation of electromagnetic interference, it requires neither magnetic nor radiofrequency shielding cages. The scanner is compact, mobile, and acoustically quiet during scanning. We implement four standard clinical neuroimaging protocols (T1- and T2-weighted, fluid-attenuated inversion recovery like, and diffusion-weighted imaging) on this system, and demonstrate preliminary feasibility in diagnosing brain tumor and stroke. Such technology has the potential to meet clinical needs at point of care or in low and middle income countries.



Dedicated to all Masters of Science

- Sh. Suresh Kumar Verma, PGT Chemistry



जहाँ चाह थी वही राह बन गई
भूली यादें उन पलों की ताजी रह गईं
एक सपना लिए निकल पड़े थे उस राह में
Chemistry से भरी दुनिया की चाह में
जिंदगी की दौड़ में भागते कब Bachelor हो गए
Science में मास्टर बनते Natural हो गए
Bachelor से मास्टर बनना जरूरी हो गया था
Chemistry से प्यार करना मजबूरी हो गया था

1st Day of the Class

उस दिन Class में कुछ अजीब लग रहा था
नये चेहरे,नये दोस्त,नया महौल
मानो सब कुछ करीब लग रहा था।
कुछ डर, कुछ मायूसी, फिर भी आँखो में खुशी थी
कुछ पुराने दोस्त के न होने पर दु:खी थी ।

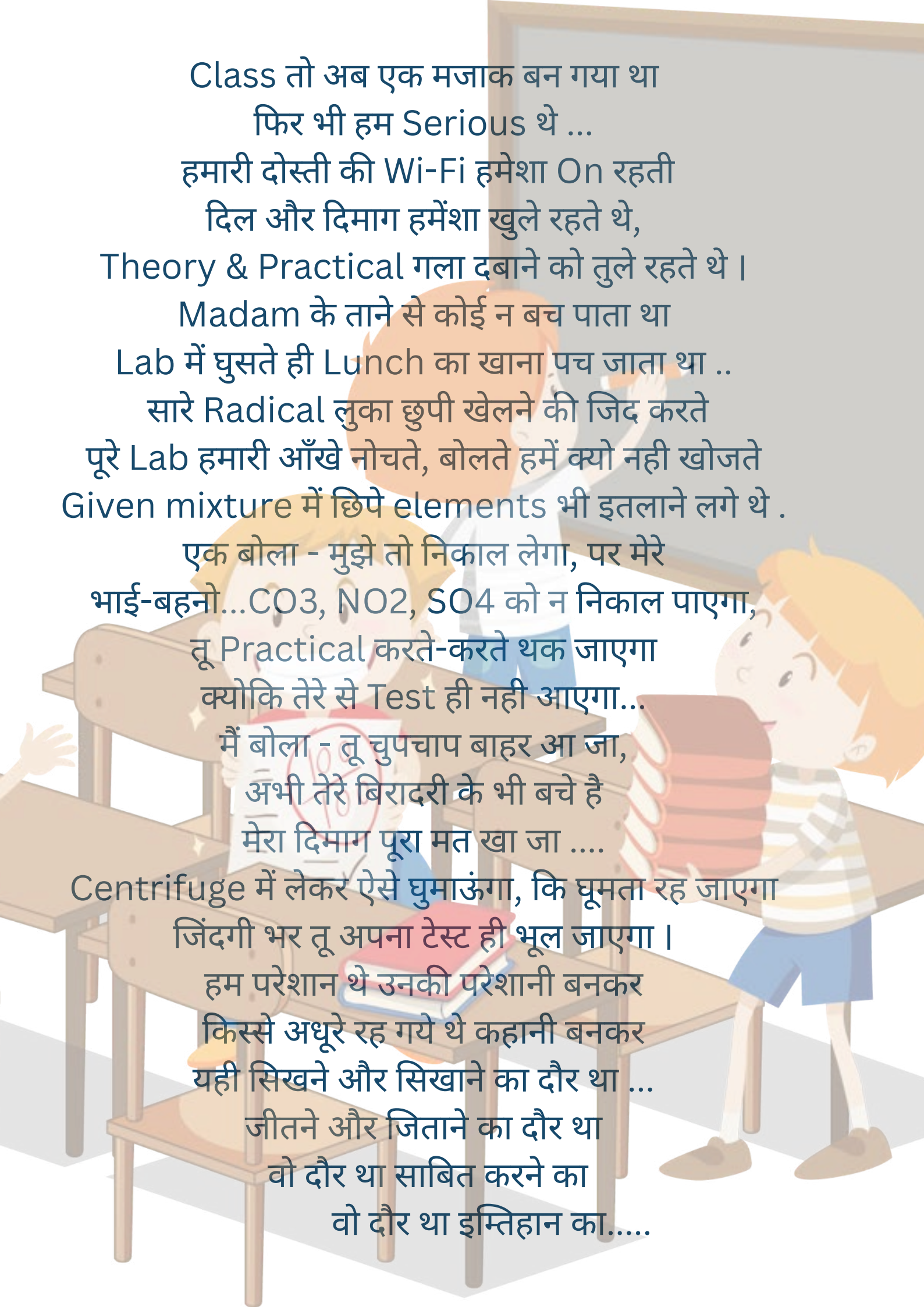
हम एक परिवार का हिस्सा बन गये थे
सब एक दुसरे से हाथ आगे बढ़ा रहे थे।
एक ही college से जो आए ,आँखे गड़ा रहे थे
शिष्टाचार का रंग हम पर यूं मचलते थे
कि “तू” की जगह मुंह से “आप” निकलते थे
धीरे से class में Professor की entry होती है
Attendance और Intro लेकर निकलना होता है
फिर लड़कियो की वही आदत शुरू हो जाती है
उनकी ची-ची में लड़को की Silent Words खो जाते हैं

Students में तू-तू...मैं-मैं आसान होता है
Class की ऐसी उलझनों से हर कोई परेशान होता है
तभी एक Topper भीड़ में से खड़ा होता है
जो ऐसी दंगो में कई-बार लड़ा होता है
पूरे class की बागडोर उसके ऊपर आ जाती है
रोज का बक-बक उसका दिमाग खा जाती है।

अब तो हम एक दुसरे को जानने लगे थे
बिना नाम जाने फिर भी पहचानने लगे थे
Thermodynamic stability हमारी बढ़ती जा रही थी
बिन पिये Alcohol का खुमार चढ़ती जा रही थी।
जो ख्वाब लेकर आए है वो बुनने लगे थे
इलेक्ट्रॉनों के साथ Low से High energy में कूदने लगे थे

Intermediate Stage

जिंदगी अब दोस्तों में बस गई थी,
हर चीज खुद को बदलने लगी थी
एक दुसरे को खूब लड़ाने लगे थे
कभी चुप थे मुंह आज बड़बड़ाने लगे थे
मर्जी के मालिक खुद बन गये थे
NET – JRF की दौड़ में कूद गये थे
इलेक्ट्रॉनों के साथ चक्कर लगाना खूब भाता था
Non-Reactive से React होना हमें आता था
एक जूनून था कुछ नया करने का ....
एक जुनून था कुछ हासिल करने का ....
कुछ अरमान थे उसके दिल में, फिर बोल न पाता था...
HOD को देखते सारा जुनून उतर जाता था ...
घण्टो भर की Lecture .. . . .
किसी के लिए सपनों की उड़ान थी . . .
किसी के लिए उनकी गूंज में बंद जुबान थी,
फिर भी हम उस महौल में जी लिया करते थे
सामना करने की हिम्मत सीनियर्स जो दिया करते थे
सभी Professor की Wavelength अलग अलग होती है
किसी की High तो किसी की Low होती है....
कुछ की Micro-processor... Very Slow होती है
और जो बाकी बचे. . .
उनकी concept ही Over-flow होती है...



Class तो अब एक मजाक बन गया था
फिर भी हम Serious थे ...
हमारी दोस्ती की Wi-Fi हमेशा On रहती
दिल और दिमाग हमेंशा खुले रहते थे,
Theory & Practical गला दबाने को तुले रहते थे।
Madam के ताने से कोई न बच पाता था
Lab में घुसते ही Lunch का खाना पच जाता था ..
सारे Radical लुका छुपी खेलने की जिद करते
पूरे Lab हमारी आँखे नोचते, बोलते हमें क्यो नही खोजते
Given mixture में छिपे elements भी इतलाने लगे थे .
एक बोला - मुझे तो निकाल लेगा, पर मेरे
भाई-बहनो...CO_3, NO_2, SO_4 को न निकाल पाएगा,
तू Practical करते-करते थक जाएगा
क्योकि तेरे से Test ही नही आएगा...
मैं बोला - तू चुपचाप बाहर आ जा,
अभी तेरे बिरादरी के भी बचे है
मेरा दिमाग पूरा मत खा जा ....
Centrifuge में लेकर ऐसे घुमाऊंगा, कि घूमता रह जाएगा
जिंदगी भर तू अपना टेस्ट ही भूल जाएगा।
हम परेशान थे उनकी परेशानी बनकर
किस्से अधूरे रह गये थे कहानी बनकर
यही सिखने और सिखाने का दौर था ...
जीतने और जिताने का दौर था
वो दौर था साबित करने का
वो दौर था इम्तिहान का.....

Exam Time

ऐसा भी दिन क्यों आता है
दाँत दिखाते मुस्कुराते लम्हों को नजर लग जाता है
अब तो exams की लू चलने लगी थी,
-Facebook ,What's App, से ध्यान हटने लगी
Menu Card में भी Syllabus दिखने लगा था
पढ़ाई का भूत धीरे-धीरे उतरने लगा था
पूरे semester... Vogel & Banwell का आतंक था
इनसे छूटकारा ,हमारी class का सबसे बड़ा जंग था।
यूँ तो सपनो में भी आने लगे थे,
VBT और MOT का राग गाने लगे थे।
हमारी हमेंशा ये आदत रहती थी,
पूरे Semesters दिमाग खाली रहती थी।
वो समय ही कुछ ऐसा था....
चाहे नींद की कितनी भी गोलियाँ खां ले...
नीद न आती थी
जम्हाई लेते लेते सुबह हो जाती थी
बाकी दिन भगवान को कभी Time न देते,
और उस दिन साक्षात देवी दर्शन हो जाते
Que. Paper, देख के मन ही मन रोने लगते थे
Exam hall मे सारे Concept Vaporize होने लगते थे...
Exam hall से कोई मुंह लटकाए निकलते थे
तो कोई हँसते हुए कमर मचकाए निकलते थे

Exam का Last Paper

उस दिन सवाल चाहे कितना भी कठिन हो
Answer Sheet यूँ भर जाता था
Hall में बैठे-बैठे Movie का प्लान बन जाता था
कैसे बना ? क्या-क्या बना ? काहे का बना.....
मानो... Girls,.....enquiry कर रही हो,
ये उनकी बुरी लत जो कभी नही जाएगी
और Boys .....
एक लम्बी गहरी साँस लेते , अधूरी नींद पूरी करते
फिर क्या . . . .
हम दोस्तों की Online दरवाजे
खुल जाते face book पर
और धूल जमने लग जाते उन Note book पर . . . ।

When Results are Out

Result के काले बादल मण्डरा रहे थे
नम्बरो की बारिश होने वाली थी
कहीं अधिक बारिश तो कहीं सूखा भी पड़ सकता था
कोई अंडर-50 तो कोई शतक भी जड़ सकता था

हकीकत सामने आने लगे थे
हम कितने पानी में है, जानने लगे थे
एक डर था जरूर, जिम्मेदारियाँ जो थी. . .
खुद पर विश्वास था, मेहनत जो थी . . .
कोई first आता है , कोई Last आता है
अरमानों भरा बीकर वही टूट जाता है
. . . . जब कोई Last आता है
Life ! Unsaturated Hydrocarbon की तरह हो गई थी

Benzaldehyde का कड़वा घूट पीकर, हम तिलमिलाते रहे
. . . . सिवाय Physical बाकी तीनो के सहारे थे,
भाई श्रोडिंजर ! हम तेरा क्या बिगाड़े थे . . .

तुम खानदानी मुसीबत देने वाले होते हो,
समझ न आने वाली बड़ी-बड़ी concept पाले होते हो।

कुछ चेहरों पर मुस्कान थी,
कुछ उलझन में थे
कुछ इन तकलीफों से निकलने की उलझन में थे।

जिंदगी तो एक Race है अभी से हार क्यों मानना
Numbers कम हो जाने से,
आगे बढ़ने का जूनून कम नही होता
गर हौसला हो बुलंद . . . .
किसी में गिराने का दम नहीं होता।

उम्मीदों का घड़ा टूट गया तो क्या .....
सपने कभी टूटा नही करते,
साथ जो चले वो दोस्ती, कभी छूटा नही करते
जिंदगी में हमारे बीच कभी खटास न हो....
हमेंशा मिठास हो !!!

खुदा करे सभी को वो मुकाम मिल जाए
जिस ओर चले आए हम
“एक पहचान बनाएं मिलकर . . .
जैसे “CHEM-20” कहलाएं हम . . ।।।



Dream



"हर दिन एक नई रेस है"



हर सुबह उठो, एक वादा नया,
खुद से खुद को जीतने का इरादा नया।
पसीने की बूँदें बनें मोती यहाँ,
फिटनेस है पूजा, शरीर है मंदिर यहाँ।

खेल मैदान हो या जिम की छाँव,
हर सांस में हो मेहनत का भाव।
हार-जीत तो किस्मत की बात है,
कोशिश ही असली सौगात है।

थक कर रुकना नहीं, ये मन समझा ले,
हर दौड़ में खुद को आगे बढ़ा ले।
तू अकेला नहीं, तेरे साथ है जुनून,
हर मंज़िल से पहले पड़ता है एक घूम।

जो आज बोया है, कल वही काटेगा,
स्वस्थ तन और मस्त मन का ताज पाएगा।
हर दिन को बना तू एक अवसर,
जीत तुझसे है, बस कर मेहनत पर नजर।

✍ विजय गहलावत
शारीरिक एवं स्वस्थ्य शिक्षा शिक्षक



Teaching Maths

- **Mr Gaurav Sharma (TGT Maths)**



In the classroom, I stand tall,
Teaching math, for one and all.
Numbers and signs, a wondrous sight,
Helping students learn, day and night.
With each new concept, a spark takes flight,
As young minds grasp, with delight.
Addition, subtraction, multiplication too,
I'll guide them through, with patience anew.
Geometry's shapes, a fun-filled test,
Students discover, and do their best.
Fractions and decimals, a tricky part,
But with practice, they'll soon take heart.
As a teacher, my joy is plain,
Seeing students learn, and math's sweet gain.
I'll nurture their skills, with care and might,
And help them shine, with math's pure light.
In this world of numbers, I'll be their guide,
Helping them solve, with a gentle stride.
For math's a language, that's universal and true,
And with each step, my students will break through.



Numbers Dance upon the Page

(Mrs Shalini, PGT Maths)

Numbers dance upon the page,
A world of logic, a world of stage,
Where problems wait, and solutions play,
In math's realm, logic holds sway.

With each equation, a story's told,
Of patterns, shapes, and numbers bold,
Geometry's beauty, algebra's might,
Unravel secrets, day and night.

In math's precision, we find our way,
Through life's complexities, night and day,
A language universal, pure and true,
Math's beauty shines, for me and you.



MOTHER EARTH

(Alok Kumar, PGT English)

Mother Earth, with all her men,
women cast and creed,
Is whirling around the sun
In full swing; in full speed.
The highness of the mountains,
The depth of the sea,
The width of the plains,
The business of the bee.
This is all on hazards,
Our mother is sick,
She is lying on sharp shards,
Has no drop of pure water to lick.
She is getting dried day by day,
Has no feeling to share; no word to say.
To save her ; to pave her
Let’s sing ; let’s pray.

Students' Corner

विदाई की घड़ी

(ज़ैनब, कक्षा 12)

यादें भरी हैं इन दीवारों में
खुशियों की धुनें गूंथी हैं इन बेंचों में
मेरे सपनों की नींव रखी है इस मिट्टी में
अब यहाँ से जाने का समय आ गया है ।
छोटी-छोटी बातें याद आती हैं
मेरे दोस्तों की हंसी गूंथी है इन दीवारों में
मेरे शिक्षकों की बातें याद आती हैं
जिन्होंने मुझे जीने का सही तरीका सिखाया है ।
अब मैं यहाँ से जा रही हूँ
नई दुनिया में नए सपने लेकर जा रही हूँ
लेकिन यहाँ की यादें मेरे साथ रहेंगी
मेरे स्कूल की यादें मेरे दिल में रहेंगी ।

जिंदगी का नया मोड़

(ज़ैनब, कक्षा 12)

याद है वो पहला दिन,
जब स्कूल के द्वार पर खड़ी थी।
नन्हें कदमों से अंदर गई,
नयी दुनिया की ओर बढ़ गई।
अनजान चेहरे, अनजान नाम,
कोई भी नहीं था जो मुझे जानता।
लेकिन माँ की बातें याद थीं,
"साहस से आगे बढ़, सब ठीक होगा"।
पहली कक्षा, पहला अध्यापक,
नयी चीजें सीखने का उत्साह भड़का।
नए दोस्त बने, नई यादें बनीं,
स्कूल का पहला दिन, जिंदगी का नया मोड़।
धीरे-धीरे दिन बीतने लगे,
नयी चीजें सीखने का मजा आने लगा।
दोस्तों के साथ खेलना, हंसना,
स्कूल का पहला दिन, जिंदगी का पहला अध्याय।
अब वो दिन याद आते हैं,
जब स्कूल के द्वार पर खड़ी थी।
नन्हें कदमों से अंदर गई,
नयी दुनिया की ओर बढ़ गई ।

मां

(महविश राशिद, कक्षा 12)

पिता का प्यार, माँ की ममता,
दोनों मिलकर बनाते हैं जीवन सँवारा।
पिता की सीख, माँ की दुआएँ,
मेरे जीवन को बनाती हैं सुखद पल।
पहली उंगली जिनकी पकड़ी
जिसे पहले शिक्षा पाई
माता-पिता वह थे मेरे
जिन ने मुझे पहले राह दिखाई
वही मेरी दुनिया है
वही मेरी दौलत भी
माता-पिता के चरणों में
बस रहे चारों धाम में

Echoes of the Moonlight
(Iqra Gani , 12TH class)

In silken night where shadows rest,
The moonbeams weave a silver crest,
Upon the lake, in whispers low,
Where ancient secrets ebb and flow.

The trees, like sentinels, stand tall,
Their branches cradle night's soft call,
While stars emerge in sparkling dance,
Each twinkle casts a fleeting glance.

A breeze carries the scent of pine,
A melody, both sweet and fine,
It stirs the heart, ignites the soul,
As nature sings, it makes us whole.

With every breath, the night unfolds,
A tapestry of dreams and gold,
In midnight's arms, we lose the day,
And let the silence find its way.

So breathe the magic, feel the trust,
In moonlit moments, still and just,
For in the quiet, dreams take flight,
And life reveals its pure delight.

Do You Know Yourself ? (Malik Ateeb, 12TH class)

I have been feeling anxious all day long, and the frustrating thing is that I don't know the reason behind it. It's strange how a person doesn't even know himself properly as to what he needs, what he wants, and what hurts him. If I would have to counsel someone, help them in their struggles, and give them the right advice, that feels like such an easy and satisfactory job, but when it comes to opening about myself to someone, or even helping myself, it feels like some kind of invisible force is choking me, like I can't comprehend what's right or wrong for me, leave that, I don't even know what I want. In the end, I am confused about my own thoughts regarding me, so imagine how distorted my thoughts would be about what people see me as. I know it's not important what others think, but I can't help but notice their behaviour and attitude towards me, and it scares me how people change their attitude towards you as they please.

Whisper of the Dawn

(SHIVPRIYANSH, 10th class)

The stars retreat, the sky turns gold,
Nights gentle grip begins to fold.
A hush that floats on morning's breeze,
Whispers through the waking trees.
The sun peeks out with glowing grace,
Touching softly every face.
Dreams dissolve with warming light,
Turning shadows into flight.
Each dewdrop sings a lullaby,
Reflecting colors from the sky.
A quiet promise, freshly drawn
That hope is born with every dawn

स्कूल के दिन

(तजकिया , कक्षा 10)

विद्यालय के दिन, बढ़ने का समय,
नई चीजें सीखने का समय।
शिक्षक हमें मार्गदर्शन करते हैं,
हमारी ताकत और कमजोरियों को समझने में

हम नए दोस्त बनाते हैं, मज़े करते हैं,
अवकाश और खेल के समय में
हम साथ मिलकर काम करते हैं,
एक दूसरे के साथ सहयोग करते हैं ।

कक्षाओं में, हम नए विषय सीखते हैं,
गणित, विज्ञान, और भाषा में।
हम अपने मन को विकसित करते हैं,
नई चीजें सीखने के लिए ।

विद्यालय की यादें, एक खजाना है,
एक समय की यादें जो कभी नहीं भूलती।
हम बड़े हो गए, लेकिन ये यादें हमेशा रहती हैं,
हमारे दिल में एक विशेष स्थान पर ।

A Day in the Life of a Student

(Abrar chopan , 12TH)

School life is often described as the golden period of our lives, and honestly, it's true — even if we don't always realize it while living it. Every student's day is a blend of routine, chaos, pressure, fun, and sometimes unexpected adventures.

My day starts early, often with a battle between me and my alarm clock. After finally getting out of bed, the real challenge begins: getting ready in record time and not missing the school bus. Once I step into school, everything changes. The noise, the greetings from friends, the last-minute homework discussions — it's a world of its own.

Classes begin, and each subject brings its own flavor. Some periods are interesting and make time fly, while others feel like they'll never end. There's a mix of note-taking, answering questions, sometimes daydreaming, and secretly hoping the teacher forgets about surprise quizzes.

The best part of the day? Break time. It's more than just food — it's laughter, random conversations, sharing snacks, and making memories. We forget all our stress in those few precious minutes.

After school, some of us rush to tuition, others to sports or clubs. Then comes homework — a silent war between distraction and discipline. By the end of the day, we're exhausted but also satisfied (most of the time).

Being a student isn't always easy. There's pressure to do well, expectations from parents and teachers, and the stress of exams. But it's also the time when we form the strongest friendships, discover who we are, and dream big.

One day, when we look back, we'll realize that these everyday moments were actually the ones that shaped us.

Empowering Students Through Counselling

- **TAZKIYA, 10TH class**

Counselling plays a vital role in students' lives, providing a safe and supportive environment where they can discuss their concerns, develop coping strategies, and work through challenges. It helps students manage academic pressures, develop effective study habits, and improve time management skills, leading to improved academic performance. Additionally, counselling supports students' emotional wellbeing by managing stress, anxiety, and emotional challenges, promoting mental health and resilience. It also fosters self-awareness, self-esteem, and confidence, enabling students to develop essential life skills. Furthermore, counselling guides students in building positive relationships, navigating social dynamics, and developing communication skills, which are crucial for their personal and professional lives. Counselling services also often include career guidance, helping students explore their interests, passions, and future career paths, ensuring they make informed decisions about their future. Overall, counselling is essential for students' personal and academic growth, providing them with the tools and support they need to succeed.

"विचारों का निर्वात"

(वासिक हमीद , कक्षा 10)

कुछ मन ऐसे होते हैं जो त्वचा की चुप चादरों में लिपटे रहते हैं — वे लोग जो दुनिया से फीके रंगों में गुजरते हैं, आँखों से जो तमाशा माँगती हैं, उनसे अनदेखे रह जाते हैं। अधिकतर लोगों के लिए वे नीरस हैं। भुला दिए जाने लायक।

लेकिन जो ध्यान से देखे, वह जानता है — यह ठहराव एक झील नहीं, एक गहराई है; यह मौन बुझा नहीं, धधक रहा है।

वे चिल्लाते नहीं। वे चमकते नहीं। वे बस होते हैं — एक पुरानी किताब की तरह, जो खुलती तो है, मगर उसके पन्नों में वज़न होता है, धूल नहीं। और उन पन्नों पर विचार होते हैं — कड़े, उलझे हुए, हर शब्द एक घाव जैसा। जीवन ने उन्हें सिखाया है कि विस्मय एक सिक्का है जो दुनिया बड़ी आसानी से चुरा लेती है। अब कुछ नहीं चौंकाता — नहीं क्योंकि वो मर चुके हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि वे सब देख चुके हैं — सुंदरता के पीछे की हड्डियाँ तक।

कभी ये भी बच्चे थे — नम आँखों वाले, सपनों से भीगे हुए।

पर दुनिया आश्चर्य के लिए निर्मम है। धीरे-धीरे, वह सब कुछ छीन लेती है — मुस्कुराहटें, उत्साह, सरल विश्वास — और पीछे छोड़ देती है केवल तंत्र, व्यवस्था, और वो सत्यों की परतें जिनके नीचे जीवन छिपा बैठा होता है।

तो वे शांत हो जाते हैं। शांति से नहीं, थककर। सच्चाई की थकावट में।

वे हँसते हैं कभी-कभी, जब ज़रूरी हो। सिर हिलाते हैं, निभाते हैं, चलते रहते हैं।

पर भीतर? वहाँ अब कोई दृश्य नहीं चलता। रंगमंच तो अब भी है, पर दर्शक भी जा चुके हैं।

लोग उन्हें उबाऊ कहते हैं — एक ऐसी दुनिया में जो चिल्लाती है, उनका मौन खलता है।

पर "उबाऊ" सिर्फ़ उन लोगों का शब्द है जो गहराई को केवल नाटकीयता में तलाशते हैं।

ये लोग आग की तरह नहीं जलते, ये अंगार बन चुके हैं — धीमे, स्थायी, खामोश।

अब वे ख़ुशी का पीछा नहीं करते — क्योंकि ख़ुशी अब उन्हें जाल सी लगती है।

वे घड़ी पर भी भरोसा नहीं करते — समय भी तो झूठ बोलता है।

और उनकी चुप्पी में अनुपस्थिति नहीं है — वहाँ उपस्थिति है, तीव्र, असहनीय।

जो समझते हैं — जो इतना सोचते हैं कि सोच ही उलझ जाए — वे इन्हें पहचानते हैं।

ये टूटे नहीं हैं, बस ज़िन्दगी के सच से थोड़ा जल्दी टकरा गए हैं।

शायद वे निष्प्राण नहीं — बस ज़िन्दगी कुछ ज़्यादा ही जी चुके हैं।



My Mom

(ADEEBA SHAFI , 10TH class)

My Mom is kind my Mom is sweet,
She makes my world feel full ; complete.
Her hands are soft her hugs are warm,
She keeps me safe through every storm.
She wakes me up with love each day,
And helps me when I lose my way,
She teaches me what's right and true
And cheers me up when I blue.
Her smile is bright, it lights my way,
It gives me strength to face the day.
No words can say how much I care,
For all the love she always shares.
HERE'S MY POEM,SHORT AND TRUE
DEAR MOM,I WROTE THIS JUST FOR YOU.



⋆｡°☆｡⋆｡˚⋆｡°☆｡⋆⋆｡˚⋆｡°☆｡⋆⋆｡˚⋆｡°☆｡⋆

✧･ﾟ: ✧･ﾟ: When the Sky Forgot Its Name :･ﾟ ✧:･ﾟ✧

(SHAHID SHAFEEQ , 10TH)

⋆｡°☆｡⋆⋆｡˚⋆｡°☆｡⋆⋆｡˚⋆｡°☆｡⋆⋆｡˚⋆｡°☆｡⋆

— I —
✧ The sky was dim, a shade of gray,
✧ No stars to pierce the quiet dome.
✧ The moon had simply slipped away,
✧ As if it lost its way back home.

— II —
✧ The trees stood still, their breath withheld,
✧ The wind spoke soft, then ceased to be.
✧ A silence in the branches dwelled—
✧ A hush that hung too close to me.

— III —
✧ I walked beneath the fading light,
✧ My shadow long, yet somehow wrong.
✧ The path dissolved into the night,
✧ A place where echoes don't belong.

— IV —
✧ And then—
a spark,
a flash,
a tone,
✧ A bird sang once, then turned to mist.
✧ Its song became a truth unknown,
✧ A line the stars themselves had missed.

TEENS : Undefined yet Alive

(Saanvi Mausta, X)

Sometimes we're happy, sometimes sad.
Some days are good, some just feel bad.
We smile outside, but deep inside.
There's so much we just want to hide.
We're not too young, not fully grown.
Still learning things we never know.
We're all time online, but still feels alone.
Among these noises, there's no tone!
We laugh with friends, but still feels low,
Don't know why? It feels so!
One gesture from teachers means a lot,
Even small things are never forgot.
A joke from friends, a random day,
Can change our mood in every way.
Some people cares, some don't.
It's really hard to find who's real or fake.
We dream, we try, we sometimes fall,
But we still keep going through it all.
These teen years feels like a wave,
Sometimes wild and sometimes brave.
We're not perfect, but that's okay!
We're growing up, day by day!

. “कृतज्ञता का दीप”

(अदीबा शफी, 10TH)

धन्यवाद उन किरणों को, जो सुबह संग आती हैं,
हर दिन की नयी शुरुआत में आशा जगाती हैं।

धन्यवाद उन फूलों को, जो चुपचाप मुस्काते हैं,
जिन्हें देख मन के सारे ग़म भी शरमा जाते हैं।

कृतज्ञ हूँ उस जीवन के हर पल के लिए,
जो सिखाता है गिर कर भी चलने के लिए।

धन्यवाद उन अपनों का, जो साथ निभाते हैं,
बिन बोले भी हर बात को समझ जाते हैं।

शुक्रिया उस धड़कन का, जो जीवन में गति लाती है,
हर साँस में छुपी उम्मीदों को गीत बनाती है।

यह कविता है बस एक छोटा सा अहसास,
कि कृतज्ञता में ही है जीवन का सार और विश्वास।

जीवन का सफर

(मोहम्मद उमर , 10th)

चलते-चलते राह में,
कुछ मोड़ अजनबी से मिलते हैं।
कभी धूप में तपते हैं पाँव,
कभी छाँव भी खिलते हैं।

सपनों की उड़ान लिए,
हम हर पल आगे बढ़ते हैं।
गिरते हैं, सँभलते हैं,
पर मंज़िल तक पहुँचते हैं।

हर साँस में एक गीत है,
हर धड़कन में है कहानी।
जीवन बस एक चित्रकार है,
जो रंगता है नई रवानी।

चलो मुस्कान बाँटते चलें,
हर दिल में उम्मीद जगा दें।
इस दुनिया को थोड़ा और,
खूबसूरत हम बना दें।

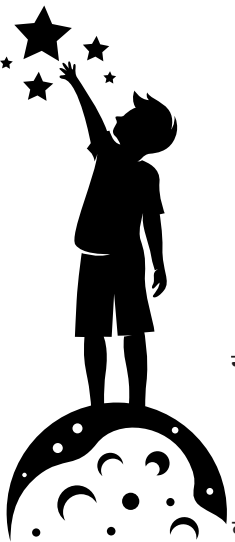
मानसिक शांति

(तजकिया, 10TH)

तनाव और चिंता का प्रबंधन छात्रों के लिए अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। तनाव दबाव की एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है, जबकि चिंता भविष्य के बारे में भय या आशंका की भावना है। दोनों शारीरिक, भावनात्मक या मानसिक रूप से प्रकट हो सकते हैं। तनाव और चिंता को प्रबंधित करने के लिए, छात्र गहरी सांस लेने के व्यायाम, शारीरिक गतिविधि, माइंडफुलनेस और ध्यान का प्रयास कर सकते हैं। कार्यों को प्राथमिकता देना, यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करना और ब्रेक लेना भी मदद कर सकता है। दोस्तों, परिवार या चिकित्सक का समर्थन नेटवर्क भावनात्मक समर्थन प्रदान कर सकता है। इसके अलावा, पढ़ने, संगीत सुनने या प्रकृति में समय बिताने जैसी आत्म-देखभाल गतिविधियों में शामिल होना आनंद और आराम ला सकता है। दैनिक जीवन में इन रणनीतियों को शामिल करके, छात्र तनाव और चिंता को बेहतर ढंग से संभाल सकते हैं, एक अधिक संतुलित जीवन प्राप्त कर सकते हैं। यदि तनाव और चिंता बनी रहती है, तो मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर से मदद लेना आवश्यक है।

जीवन का रास्ता

(मदीहा, कक्षा 9)



चल पड़ा हूँ मैं अकेला,
सपनों की एक डगर पे।
न कोई साथी, न साया,
बस उम्मीदें हैं नज़र पे।

धूप है तो क्या ग़म,
छांव भी तो आएगी।
हर कठिनाई के बाद
खुशियों की रुत छाएगी।

ठोकरें जब लगें मुझे,
मैं रुकूंगा नहीं कभी।
हर गिरावट सिखाएगी,
नई उड़ान की वजह अभी।

चलते रहो निरंतर,
बस यही है मंत्र सच्चा।
जो थम गए रास्ते में,
वो पा न सके कुछ अच्छा।



Forever, My Friend

In the quiet corners of my days, you shine,
A light that guides through every shadowed line.
Through laughter loud and silent tears we share,
You've shown me what it means to truly care.

When storms rolled in and skies turned cold and grey,
You stood beside me, never walked away.
A hand to hold, a soul that understands,
You've given more than life ever demands.

We've grown through time, through joy and bitter end,
And still, you stayny ever-faithful friend.
No words could shape the love that you have shown,
You've made the darkest places feel like home.

So here's my heart, in verses I now send,
A gift of thanks, to yours dearest friend.
For all the ways you've helped my spirit mend,
I'll treasure you, till time itself shall end.

- Sehar ul Nisa, Class 8

टॉपर की उड़ान

(मोहसिन शाह , 8वीं)

सुबह की पहली किरण कहती,
उठो, अब मंज़िल दूर नहीं।
आलस को पीछे छोड़ो तुम,
आगे बढ़ना है, रुकना नहीं।

किताबें हैं हथियार तुम्हारे,
कलम है तेरी तलवार।
ज्ञान की सीढ़ी चढ़ते जाना,
हर दिन हो एक नया उपहार।

टीचर की हर बात को सुन,
मन में उसका बीज बो।
हर प्रश्न का उत्तर ढूँढो,
तप से ही मिलता है गो।

खेलो, कूदो, हँसो भी तुम,
पर समय का मान रखो।
पढ़ाई को पूजा मानो,
हर पल ज्ञान का व्रत रखो।

हो योजना दिनचर्या की,
समय पर उठो, समय पर पढ़ो।
सिर्फ़ रटने से कुछ न होगा,
समझो, सोचो, और खुद गढ़ो।

सपने देखो ऊँचे ऊँचे,
पर मेहनत से न रिश्ता तोड़ो।
हर हार को सीख बना कर,
हर बार खुद को फिर जोड़ो।

टॉपर वही, जो गिर कर भी,
फिर से उठ खड़ा हो जाता।
जिसकी आँखों में हो चमक,
जो खुद पर यक़ीन जताता।

माँ-पापा का साथ हमेशा,
उनकी दुआएँ साथ रहें।
ईमानदारी से जब बढ़ोगे,
किस्मत भी तेरे हाथ रहे।

आत्मबल से जो न डगमगाए,
होंसले से जो राह बनाए।
नकल नहीं, बस खुद की मेहनत,
सच्चा टॉपर वही कहलाए।

अंत में बस एक बात सुनो,
सफलता कोई चमत्कार नहीं।
परिश्रम, अनुशासन, और विश्वास —
यही टॉपर की पहचान है सही।

सदाचार की राह

(तजकिया, 10वीं)

सत्य और न्याय की राह पर चलें,
ईमानदारी और निष्ठा को अपनाएं।
दूसरों के प्रति सहानुभूति और करुणा दिखाएं,
और अपने जीवन में प्रेम और शांति को बनाए रखें।

सदाचार की राह पर चलने से ही,
हम अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं।
अच्छे कर्मों से ही हमारा भविष्य उज्ज्वल होगा,
और हम समाज में एक अच्छी पहचान बनाएंगे।

सत्य और न्याय के लिए खड़े हों,
और कभी भी गलत के आगे न झुकें।
अपने विचारों और कर्मों में सच्चाई रखें,
और हमेशा दूसरों की भलाई के लिए सोचें।

सदाचार की राह पर चलकर ही,
हम अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।
और जब हम अपने जीवन में सफल होंगे,
तब हमारा समाज भी समृद्ध और सुखी होगा।

पर्यावरण (- सोमिल मस्ता, कक्षा 8)

मेरा नाम है पर्यावरण,
देता हूं तुमको अपनी शरण,
लोग मुझ पर है जीते
और होता है उनका मुझ में मरण।

मेरा नाम है पर्यावरण,
करता हूं सबका सत्कार,
क्या मुझसे तुम प्रेम नहीं करते
जो तुम मुझे करते बरबाद।

मेरा नाम है पर्यावरण,
तुम्हें जो हो रही है कठिनाई,
उसका कारण मैं नहीं सिर्फ तुम हो
इसलिए मत करो आपस में लड़ाई।

मेरा नाम है पर्यावरण,
प्रदूषण से हो रहा हूं मैं नष्ट,
अगर मेरा हो गया अंत
तो जीवन जीने में होगा तुम्हें कष्ट।

मेरा नाम है पर्यावरण,
तुम क्यों मिटा रहे हो मेरा अस्तित्व,
जब मेरा होगा अंत
तब तुम्हें समझ आएगा मेरा महत्व।

मेरा नाम है पर्यावरण,
लोग बढ़ते जा रहे हैं आजकल के जमाने में,
लेकिन वह मेरा महत्व भूल गए
तभी तो वह नहीं झिझकते मुझे गवाने में।

मेरा नाम है पर्यावरण,
अंत में मुझे तुम्हें है बताना,
कीपेड़ कटाई प्रदूषण आदि को खत्म करो
मुझे बचाना किसी एक का काम नहीं
इसीलिए सबको मुझे बचाना है,
पर्यावरण संरक्षण अपनाना है।

स्थानीय संस्कृति को समझना

(हुजैफ़, 9वीं कक्षा)

दुनिया में हर जगह की अपनी अनूठी संस्कृति होती है। संस्कृति में परंपराएँ, भोजन, कपड़े, भाषा, संगीत और लोग एक-दूसरे के साथ कैसे बातचीत करते हैं, शामिल हैं। यही वह चीज़ है जो किसी समुदाय को खास बनाती है।

स्थानीय संस्कृति क्यों महत्वपूर्ण है?

स्थानीय संस्कृति लोगों को जुड़ाव महसूस करने में मदद करती है। यह उन्हें पहचान और जुड़ाव का एहसास कराती है। यह इतिहास और परंपराओं के प्रति सम्मान भी सिखाती है।

स्थानीय संस्कृति के उदाहरण

भोजन - हर जगह के खास व्यंजन होते हैं। उदाहरण के लिए, इटली पिज्जा के लिए मशहूर है और जापान सुशी के लिए जाना जाता है।

त्यौहार - कई जगहों पर अनोखे उत्सव होते हैं। भारत में दिवाली रोशनी का त्योहार है, जबकि ब्राज़ील संगीत और नृत्य के साथ कार्निवल मनाता है

वस्त्र - पारंपरिक कपड़े संस्कृति को दर्शाते हैं। स्कॉटलैंड में पुरुष किल्ट पहनते हैं, जबकि जापान में लोग विशेष आयोजनों के लिए किमोनो पहनते हैं।

भाषा और रीति-रिवाज - दुनिया भर में लोग एक-दूसरे का अलग-अलग तरीके से अभिवादन करते हैं। कुछ संस्कृतियों में लोग झुकते हैं, जबकि अन्य में वे हाथ मिलाते हैं।

स्थानीय संस्कृति का सम्मान कैसे करें

स्थानीय भाषा में कुछ शब्द सीखें। स्थानीय भोजन का आनंद लें। परंपराओं और रीति-रिवाजों का पालन करें। ऐतिहासिक स्थलों और मान्यताओं के प्रति सम्मान दिखाएं। स्थानीय संस्कृति दुनिया को दिलचस्प बनाती है। इसके बारे में जानने से हमें जीवन के विभिन्न तरीकों को समझने और उनकी सराहना करने में मदद मिलती है।

The Game of Royals

(Malik Abeed, Class 9th)

Upon the board of black and white
The armies gather, day or night.
With knights that leap and queens that glide,
Each move is made with thought and pride.
The rook stands firm, the bishops slide,
While pawns in lines march side by side.
A check, a trap, the tension grows—
Until the final checkmate shows.



The Beauty of Nature

(KANIKA CLASS 9)

In a garden bright and fair,
Flowers bloom with colors rare.
Sunlight dances on the ground,
Joyful whispers all around.

Bees and buzzing, lazy breeze,
Swaying gently through the trees.
Birds are singing, song so sweet ,
Nature's heartbeat, calm and neat.

Moonlight glows when day is through,
Stars peek out, a shining crew.
In this world both soft and wide,
Simple moments, joy inside.



मेरा बांदीपुरा

(शेहरिश राशिद, कक्षा 9वीं)

प्रिय लोगों, यह मेरा शहर है,
यह बांदीपुरा है ।
यह अलीम, अदब और आब की भूमि है।
यहाँ मधुमती, औथावाटो, वुलर और बुनार हैं ।
यह कई पुजारियों और संतों का जन्मस्थान है ।
यहाँ हरमुख और सिरंदर हैं।
कुछ लोग इसे बांदीपुरा कहते हैं, कुछ बांदीपोर और कुछ बांदीपुर ।
इसका पानी मीठा, स्वादिष्ट और क्रिस्टल साफ है ।
तो जब आप कश्मीर जाने की योजना बनाएं,
तो मेरे बांदीपुरा जरूर आएं ।



Discrimination towards Females

(Sehrish Rashid, Class 9th)

Oh man ! Oh man !
Why do you consider me weak ?
Why do you look down upon me ?
Sometimes I am a mother , sometimes sister , sometimes daughter and sometimes a wife
But you always treat me like your maid .
I am the nature's beautiful gift which you don't understand .
You celebrate day's on my name , but you don't apply it practically .
At work place's you don't appreciate my work .
You always consider your work better than me .
Sometimes you call me Saraswati , sometimes Laxmi but why you don't respect me .
I am a girl , this is not my fault .
Why I can't go outside after evening.
Please respect me , save me and believe me as I am one of a kind .

जीवन का सफर

(अमीना अशरफ , कक्षा 7वीं)

जीवन एक सफर है प्यारा,
कभी धूप तो कभी साया।
हर मोड़ पे मिलती सीख,
हर पल कुछ कहे सवेरा।

कभी गिरो, कभी संभलो,
हिम्मत से फिर आगे चलो।
राहें चाहे हों कठिन,
इरादे हों अगर सच्चे, तो मिलती मंज़िलें भी सरल।



हर साँस एक नया गीत,
हर दिन एक नई रीत।
मुस्कुराओ हर ग़म में,
यही है जीवन की जीत।

समय का महत्व

(उज़मा, कक्षा 7वीं)

समय धन से ज्यादा कीमती है; क्योंकि यदि धन को खर्च कर दिया जाए तो यह वापस प्राप्त किया जा सकता है हालांकि, यदि हम एक बार समय को गवां देते हैं, तो इसे वापस प्राप्त नहीं कर सकते हैं।

समय के बारे में एक सामान्य कहावत है कि, "समय और ज्वार -भाटा कभी किसी की प्रतीक्षा नहीं कहते हैं"।

यह बिल्कुल पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व की तरह ही सत्य है ; समय बिना किसी रूकावट के निरंतर चलता रहता है । यह कभी किसी की प्रतीक्षा नहीं करता है।

The Talking Tree

(Sahiba Shakeel, 7th class)

I met a tree on a sunny day.
It smiled at me in a leafy day.
I asked, "Dear tree, what do you do?"
It said, "I clean the air for you!!
I give you shade, I give you fruits,
I hold the soil with my roots.
ON my head, birds make homes
While kids rest near my trunk instead.
So let me grow, don't cut me down,
Plant more lees in every town!"

"The Power of One Step"

(Hafsa, class 7th)

Riya was an average student in class 9th. She wasn't the topper, nor was she the best at sports. But she had one thing others often overlooked : **determination**.

Every morning, she would come to school early and read a few extra pages in the library. While others relaxed during breaks, she would revise her notes. Her classmates often teased her, calling her a "bookworm" or saying she was trying too hard.

But Riya didn't stop

Riya had topped the class.

One of her friends asked, "How did you do it? You were never the smartest." She smiled and said, "I wasn't. **I just took one extra step every day.** Small steps, consistently."

Moral: You don't have to be the best to begin. You just have to begin to become your best.

ईमानदारी

(मो. ज़ैद खान, कक्षा 7वीं)

एक गाँव में राहुल नाम का एक लड़का रहता था। वह सातवीं कक्षा में पढ़ता था और बहुत ईमानदार था। उसके माता-पिता किसान थे और उन्होंने राहुल को सच्चाई और मेहनत का पाठ पढ़ाया था।

एक दिन राहुल स्कूल जा रहा था। रास्ते में उसे एक पर्स पड़ा हुआ मिला। उसने पर्स उठाया और देखा कि उसमें बहुत सारे पैसे थे और एक पहचान पत्र भी था। वह समझ गया कि यह किसी गाँव वाले का पर्स है।

राहुल सीधा स्कूल नहीं गया, बल्कि गाँव के मुखिया जी के पास गया। उसने उन्हें पर्स दिखाया और बताया कि यह उसे रास्ते में मिला है। मुखिया जी ने पहचान पत्र देखा और गाँव के एक दुकानदार रामलाल जी को बुलवाया, जिनका वह पर्स था।

रामलाल जी बहुत खुश हुए और बोले, "बेटा, तुमने मेरी मेहनत की कमाई बचा ली। मैं तुम्हें इनाम देना चाहता हूँ।"

लेकिन राहुल ने विनम्रता से कहा, "रामलाल चाचा, मैंने तो सिर्फ अपना फर्ज निभाया है।"

मुखिया जी ने राहुल की ईमानदारी की बहुत तारीफ की और अगले दिन स्कूल में सबके सामने उसे सम्मानित किया। राहुल गाँव के सभी बच्चों के लिए एक मिसाल बन गया।

सीख: **ईमानदारी हमेशा फल देती है। हमें हर हाल में सच्चाई का साथ देना चाहिए।**

मेरा स्कूल मेरा केवी बीएसएफ बांदीपुर

(कलीमुल्ला, कक्षा 4थी)

नमस्ते पाठकों। मैं कलीमुल्लाह हूँ और मुझे गर्व है कि मैं केवीयन हूँ। मैंने अपनी स्कूली शिक्षा वर्ष 2023 में इस स्कूल से शुरू की जब मैं कक्षा 2 में शामिल हुआ। नहीं, मैं किसी अन्य स्कूल से नहीं आया। मैंने उससे पहले घर पर ही पढ़ाई की।

मुझे याद है कि यह अप्रैल का महीना था और यह स्कूल में होने का मेरा पहला अनुभव था। खैर मैं सात साल का था और यह रोमांचकारी और डरावना दोनों था। मुझे अपने घर के आराम की याद आती थी और मैं अपने शिक्षकों की बात सुनने और वैसा ही व्यवहार करने के लिए उतना ही चौकस था जैसा मैं चाहता था।

मुझे खुद को पूरी तरह से समायोजित करने में एक सप्ताह लग गया लेकिन मुझे अपने स्कूल से जो माहौल मिला वह बहुत स्वागत करने वाला था। मैंने स्कूल में अपने दिन का आनंद लेना शुरू कर दिया। सभी शिक्षक इतने मिलनसार थे कि उन्होंने मुझे या किसी और को कभी नहीं डराया। कोई होमवर्क नहीं था, कोई बोझ नहीं था। शनिवार सबसे अच्छा दिन था। इसे फनडे कहा जाता था।

और फिर एक दिन ऐसा आया, जब मैंने सीखा कि शिक्षक हमेशा हमारे साथ नहीं रहते। उन्हें जगह बदलनी पड़ती है। उनका तबादला हो जाता है। यह दिल तोड़ने वाला था। हमें अपने कई शिक्षकों को अलविदा कहना पड़ा। मैं अभी भी उन्हें याद करता हूँ। मुझे रवि सर, कपिल सर, भरत सर, नागेश सर की याद आती है। दुनिया बिखरती हुई लग रही थी। फिर एक नया अध्याय शुरू हुआ और शिक्षकों की नई टीम हमारे साथ जुड़ गई। वे समान रूप से मिलनसार और समान रूप से प्यार करने वाले थे और इस तरह सभी केवीएस और केवी के छात्रों की विरासत आगे बढ़ती है।

Mother

(Iram Zehra, class 4th)

God made a wonderful mother
A mother who never grows old
He made her smile of the sun shine
And he made her heart of pure gold
In her eyes her placed bright shine stars
In her cheeks fair roses in fars
She is helpful and ready to share
She fills me with love and care
God made those wonderful mother
and he gave that mother to me.

जब टूटने लगे हौसला

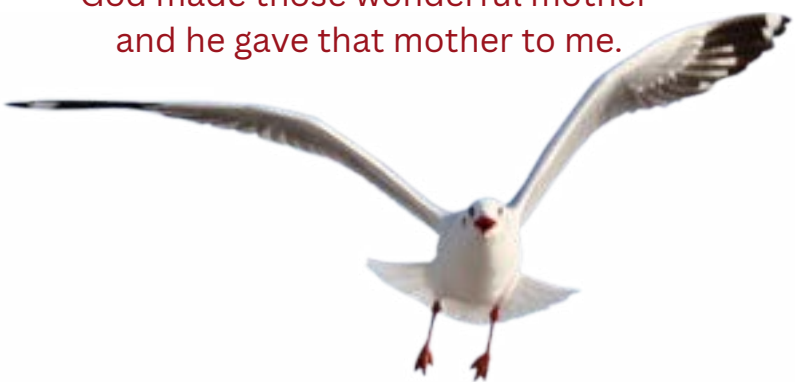
(अहमद , 4थी कक्षा)

जब टूटने लगे हौसला तो बस ये याद रखना,
बिना मेहनत के हासिल तख़्त-ओ-ताज नहीं होते।
ढूंढ लेना अंधेरे में ही मंज़िल अपनी दोस्तों,
क्योंकि जुगनू कभी रौशनी के मोहताज नहीं होते।

भावार्थ (अर्थ):

जब कभी तुम्हारा आत्मविश्वास या हौसला कमजोर पड़ने लगे, तो यह याद रखना चाहिए कि बिना मेहनत और संघर्ष के कोई भी बड़ी सफलता नहीं मिलती।

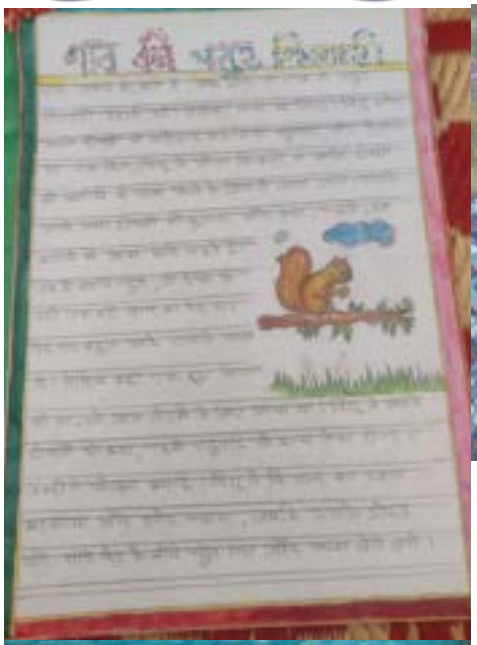
मुश्किल और अंधेरे समय में ही अपनी मंज़िल तलाशनी चाहिए, क्योंकि जैसे जुगनू खुद रोशनी देते हैं और किसी और प्रकाश के मोहताज नहीं होते, वैसे ही हमें भी आत्मनिर्भर और संघर्षशील बनना चाहिए।

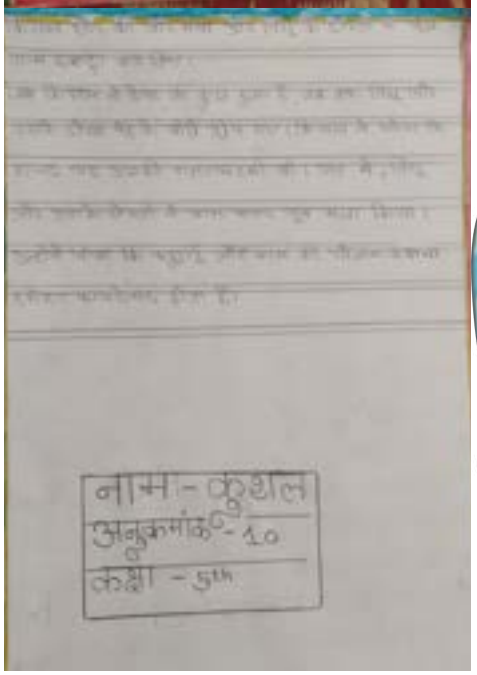


Our Earth

(Manahil, Class -5th)

Earth our home so dear and bright,
A haven in the dark of night.
With oceans blue and forests green,
A world of wonders , pure and serene.
The mountains high, the valleys low.
The rivers flowing, as they grow.
The creatures big, the creatures small,
All living together one and all.
Let's cherish earth,
Our precious ground,
And keep it safe , all around
For future generations yet to come.
Let's protect earth, our only home.







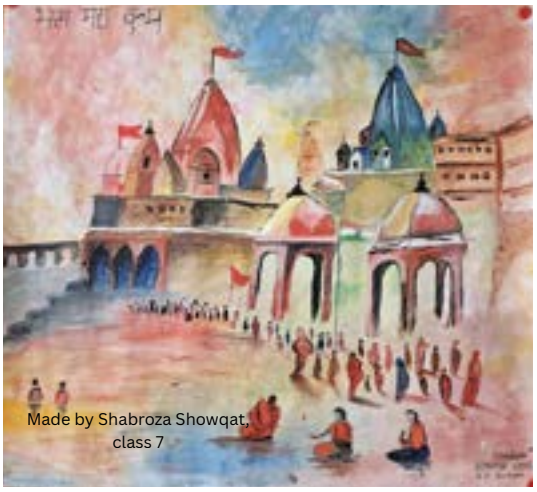


रंगोल्लास



this is how WE ROLL











Let your light Shine











रचनात्मक शिक्षण गतिविधियाँ: एक झलक
(A Glimpse of CLAs)



जल पखवाड़ा अप्रैल 2025
(Jal Pakhwada, April,2025)



कत्थक कार्यशाला अप्रैल 2025
(Katthak Workshop, April, 2025)



एक दिन: एक वैज्ञानिक की तरह अप्रैल 2025
(One Day as a Scientist, April 2025)



पुस्तकालय भ्रमण अप्रैल 2025
(Tour to a Library, April 2025)



पुस्तकोपहार अप्रैल 2025
(Pustakophar, April 2025)



फ्लोरा कार्यशाला अप्रैल 2025
Flora Activity, April 2025



अम्बेडकर जयंती 2025 (Ambedkar Jayanti 2025)



विद्या प्रवेश, अप्रैल 2025 (Vidya Pravesh April 2025)



मात/पिता मह दिवस (Grandparents' Day, 2025)









अंतर्राष्ट्रीय योगदिवस जून 2025 (International Yoga Day, 2025)



भारतीय भाषा उत्सव जून 2025
(Bhartiya Bhasha Utsav, June 2025)





चित्रकला प्रतियोगिता (आयोजक NHPC) मई 2025 (Drawing Competition, Organized by NHPC, May 2025)



साइकिलिंग रैली, मई 2025 (Cycling Ralley, May 2025)



BIS क्लब द्वारा आयोजित एक प्रदर्शनी (भारत संरचना मेगा इवेंट) का भ्रमण
(A Visit to Viksit Bharat Buildathon Mega Event, Srinagar)






हर घर तिरंगा अभियान 2025 (विविध गतिविधियाँ)

(Har Ghar Tiranga Campaign, 2025)






स्वाधीनता दिवस, 2025

(Independence Day, 2025)




राष्ट्रीय खेल दिवस, 2025 (National Sports Day, 2025)





हिंदी पखवाड़ा 2025 (Hindi Pakhwada, 2025)





परीक्षा पे चर्चा, 2026 (PPC, 2026)







नशा मुक्त भारत अभियान (आयोजक: सेक्टर मुख्यालय बीएसएफ बांदीपुर, फरवरी 2026)
Drug Free India Campaign (Organized by Sector Headquarters BSF Bandipur)







Republic Day 2026

Students from the Vidyalaya take part in the cultural program organized by J&K Govt. at SK Stadium, Bandipora

खेल खेल में

Regional Sports Meet

विद्यालय के छात्र/छात्राओं ने *RSM* में सहभाग किया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया





विद्यालय का नाम: केंद्रीय विद्यालय बीएसएफ, बांदीपुर
प्रतियोगिता का नाम: क्षेत्रीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025-2026
कुल खेलों में भागीदारी: 4 खेल
कुल प्रतिभागी खिलाड़ी: 44 विद्यार्थी

ताइक्वांडो (बालिकाएं)
स्थान: केवी नं. 1 जम्मू
तिथि: 05 मई 2025 से 06 मई 2025
प्रतिभागी छात्राएं: 2
उपलब्धियाँ:
• मेहक : रजत पदक
• भिष्मा : स्वर्ण पदक तथा राष्ट्रीय क्रीड़ा प्रतियोगिता (NSM 2025-2026) हेतु चयनित

बैडमिंटन (बालिकाएं – एकल एवं युगल)
तिथि: 20 जून 2025 से 21 जून 2025
प्रतिभागी छात्राएं:
• हफ़्सा : एकल प्रतियोगिता में तृतीय स्थान
• तज़किया एवं आशिया (अंडर-17): युगल में प्रतिभाग
• हफ़्सा एवं सोलियाह : युगल में रजत पदक
राष्ट्रीय चयन:
हफ़्सा, तज़किया, सोलिया — NSM 2025-2026 हेतु चयनित

⚽ फुटबॉल (बालक – U-17 एवं U-14)
प्रतिभागी टीमें:
• U-17 टीम : रजत पदक
• U-14 टीम : कांस्य पदक
राष्ट्रीय चयन (U-17 से):
वासिक हमीद, शाहिद शफीक, सबरान, बुरहान, मो. अज़हर — NSM 2025-2026 हेतु चयनित

पदक तालिका (Medal Tally)

क्रमांक	खेल का नाम	स्वर्ण	रजत	कांस्य	चयनित NSM हेतु
1.	ताइक्वांडो (बालिका)	1	1	0	1
2.	बैडमिंटन (बालिका)	0	2	1	3
3.	फुटबॉल (बालक)	0	1	1	5
	कुल	1	3	2	9



आभार पृष्ठ

प्रिय पाठक,

इस पत्रिका को प्रारंभ से अंत तक पढ़ने के लिए आपका धन्यवाद। इसे प्रकाशित करने से पूर्व इसके त्रुटि रहित होने का पूरा प्रयास किया गया है तथापि हो सकता है कि मानवीय स्वभाववश कही कोई त्रुटि रह गई हो, तो उसके लिए क्षमा करें तथा अपने अमूल्य सुझाव के लिए स्वयं को स्वतंत्र समझें। पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाएँ मौलिक हों, इसका दावा नहीं किया जा सकता परन्तु यह दावा अवश्य किया जा सकता है कि साहित्यिक रूचि की ओर रुझान के लिए प्रारंभिक प्रयास अनुकृति अथवा अनुकरण हो सकते हैं। अंत में बस यही निवेदन करना है कि इसे प्रकाशित करते हुए यह ध्यान रखा गया है कि यह हमारे विद्यालय का दर्पण बन सके: हमारे प्रयास तथा हमारी संभावनाओं का प्रतिनिधित्व कर सके तथा हमारे संगठन (केन्द्रीय विद्यालय संगठन) की गरिमा के अनुरूप बन सके।

अंत में यह ही कहना है कि आपकी दी हुई प्रेरणा हमारे (छात्र/छात्राओं व शिक्षक/शिक्षिकाओं) लिए संबल बनेगी।

